वर्ष-3, अंक-23
इन्दौर, सोमवार
23 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादक: सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मृत सारस में बर्ड फ्लू वायरस मिला, पक्षियों पर भी संकट मंडराया

जयपुर। फलोदी जिले से बर्ड फ्लू की खबरें आ रही है। खीचन गांव में मृत पाई गई कुरजां में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है। विसरा के सैंपल 19 दिसंबर को मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित हाई सिक्योरिटी एनीमल डिजीज लैब में भेजे गए थे। 21 दिसंबर को जांच रिपोर्ट में वायरस की पुष्टि हुई है। वायरस की पुष्टि ने स्थानीय प्रशासन और वन विभाग के भीतर चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि यह वायरस अन्य पक्षी प्रजातियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। अब तक खीचन क्षेत्र में संक्रमण के कारण सात सारसों की मौत हो चुकी है। पशुपालन विभाग ने त्वरित प्रतिक्रिया टीम (रैपिड रिस्पांस टीम) का गठन किया है और वन विभाग ने निगरानी एवं सर्वेक्षण दल तैनात किए हैं।

इजरायली हमला, 8 लोगों की मौत

गाजा। इजरायली सेना ने गाजा के उत्तरी क्षेत्र में बरेली फंक्शनिंग कमाल अदवान अस्पताल और अल-अवदा अस्पताल पर हमला किया है, जिससे वहां पहले से ही मौजूद मानवीय संकट और बढ़ गया है। इसके साथ ही, उत्तरी हिस्से में एक स्कूल पर भी हमला किया गया है। जिसमें कम से कम 8 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। ये हमले ऐसे समय पर हो रहे हैं जब संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय स्थिति को दम घोंटने वाला बताया है।

अमेरिकी फाइटर जेट पर किसने दाग दी मिसाइल

वॉशिंगटन। अमेरिकी फाइटर जेट पर मिसाइल से हमला हुआ, लेकिन राहत की बात यह रही कि जेट के दोनों ही पायलट सुरक्षित बच निकले। सवाल यह हो रहा है कि आखिर अमेरिकी फाइटर जेट पर हमला किया किसने? आखिर किसकी इतनी हिम्मत हो गई कि यूं हवा में हमले करने लगा है? ऐसे में जवाब के तौर पर खुलासा किया जा रहा, कि रविवार को अमेरिकी नौसेना की एक दुर्लभ गलती के चलते ही उसके ही एफ/ए-18 फाइटर जेट को निशाना बनाया गया है। यह घटना लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक के दौरान हुई। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। इनमें से एक को मामूली चोटें आई हैं।

मोहाली में गिरी इमारत, दो की मौत

मोहाली (एजेंसी)। रविवार सुबह घटनास्थल से प्राप्त दृश्यों में भारतीय सेना और एनडीआरएफ के जवान बचाव अभियान जारी रखते हुए दिखाई दिए। पंजाब के साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) जिले के सोहाना गांव में बहुमंजिला इमारत गिरने के स्थान से रविवार सुबह एक शव बरामद किया गया। इसके साथ ही इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई।

मोदी सरकार की सोची-समझी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को चुनाव नियमों के संचालन में बदलाव के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। खड़गे ने आरोप लगाया कि यह बदलाव नरेंद्र मोदी के प्रशासन द्वारा भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को कमजोर करने की सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मोदी सरकार द्वारा चुनाव आयोग की ईमानदारी को सुनियोजित तरीके से खत्म करना संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला है। इस दौरान खड़गे ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को ECI चयन पैनल से हटाने जैसी पिछली कार्रवाइयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दावा किया कि सरकार अब उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद महत्वपूर्ण चुनावी जानकारी को रोक रही है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज तथा उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में बदलाव किया है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्रीय विधि मंत्रालय ने शुक्रवार को चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93(2)(ए) में संशोधन किया। ताकि, चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले कागजात या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह बदलाव भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की सिफारिशों के बाद किया गया है।

नौका पलटने से 38 लोगों की मौत

100 से अधिक लापता

कांगों (एजेंसी)। कांगो में क्रिसमस मनाने के लिए घर लौट रहे लोगों से भरी एक नौका के शुक्रवार देर रात बुसिरा नदी में पलट जाने से 38 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों एवं प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। नौका पलटने की यह घटना ऐसे समय में हुई है जब करीब चार दिन पहले ही देश के उत्तर-पूर्व में एक अन्य नाव के डूबने से 25 लोग मारे गए थे। नौका पलटने की हालिया घटना में अब तक 20 लोगों को बचाए जाने की पुष्टि हुई है। दुर्घटनास्थल के पास स्थित इंगेंडे शहर के मेयर जोसफ जोसफ कांगोलिंगोली ने बताया कि नौका कांगो के उत्तर-पूर्व में जलक्षेत्र में थी और इसमें अधिकतर वे व्यापारी सवार थे जो क्रिसमस मनाने के लिए घर लौट रहे थे। इंगेंडे के निवासी एनडोलो कैडी ने बताया कि नौका में ''400 से अधिक लोग सवार थे और यह नौका बोएंडे के रास्ते में पड़ने वाले दो बंदरगाहों इंगेंडे और लूलो से होकर गुजरी थी, इसलिए ऐसा लगता है कि मृतक संख्या अधिक होगी।''

सितारवादिका जानवी मुखर्जी का निधन

समस्तीपुर। बिहार में समस्तीपुर महिला कॉलेज की संगीत की पूर्व विभागाध्यक्ष और प्रसिद्ध सितारवादिका प्रोफेसर जानवी मुखर्जी का रविवार की रात निधन हो गया। वह करीब 82 वर्ष की थी। प्रोफेसर जानवी मुखर्जी का रविवार की रात उनके बंगाली टोला स्थित आवास पर निधन हो गया। वह शहर के प्रमुख चिकित्सक डॉ.सुप्रियों मुखर्जी और चार्टर अकाउंटेंट सुनंद मुखर्जी की मां थी। जानवी मुखर्जी समस्तीपुर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल प्रोफेसर एन. मुखर्जी की पत्नी थी। जानवी मुखर्जी के निधन पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रामनाथ ठाकुर, स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहिन, समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान पार्षद तरूण कुमार, जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के जिलाध्यक्ष प्रो.दुर्गेश राय और माकपा विधायक दल के नेता अजय कुमार ने शोक व्यक्त किया ।

अगले चुनाव में जदयू को 20 सीट भी नहीं मिलेगी: प्रशांत

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)में चल रही खींचतान पर कटाक्ष करते हुए आज कहा कि जनता दल यूनाईटेड (जदयू) , राजग के साथ लड़े या महागठबंधन के साथ, अगले चुनाव में उन्हें 20 सीटें भी नहीं मिलेंगी। श्री किशोर ने सोमवार को कहा कि आज यदि बिहार की जनता किसी से सबसे ज्यादा नाराज है, तो वो नीतीश कुमार हैं। जनता नीतीश के अफसर राज से परेशान है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी जानती है कि श्री कुमार आज राजनीतिक बोझ बन चुके हैं और कोई कंधा उन्हें उठा नहीं सकता। लेकिन नियति ने भी ऐसी व्यवस्था बना दी है जिसके चलते भाजपा के लिए मजबूरी हो गई है कि उन्हें अगला चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ना होगा और श्री कुमार ही राजग का चेहरा होंगे, जन सुराज पार्टी के लिए इससे अच्छी बात और कुछ नहीं हो सकती। श्री किशोर ने राजग की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा को चुनौती दी है कि यदि उसमें हिम्मत है तो वह अगला चुनाव श्री कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके लड़े। यदि ऐसा हुआ तो जो 2020 के चुनाव में जदयू के साथ हुआ, वही इस बार जदयू के साथ-साथ भाजपा के साथ भी होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि बिहार के बच्चों की चिंता करने की बजाये भाजपा ने दिल्ली में चंद सांसदों के लालच में बिहार को श्री कुमार के हवाले कर दिया,जबकि भाजपा जानती है।

टीकमगढ़ के माथे पर लग रहा है विकास का तिलक : मुख्यमंत्री

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि टीकमगढ़ के माथे पर विकास का तिलक लग रहा है। जिले में अब कभी सूखे की समस्या नहीं होगी। देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना से टीकमगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे बुन्देलखण्ड की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से वृहद स्तर पर सिंचाई एवं पेयजल सुविधा मिलेगी। साथ ही बिजली उत्पादन, फसलों की पैदावार एवं पर्यटन क्षेत्र में विकास से नागरिकों का जीवन खुशहाल होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को टीकमगढ़ जिले की जतारा तहसील में आयोजित जन-कल्याण पर्व सह किसान सम्मेलन कार्यक्रम

को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ जिले के लिये 105 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के 120 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को लड्डू खिलाकर 25 दिसम्बर को खजुराहों में आयोजित होने वाले केन-बेतवा लिंक परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश उन्नति के पथ पर अग्रसर है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए एक लाख करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ने की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसम्बर को राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा लिंक परियोजना का छतरपुर जिले के खजुराहो में भूमिपूजन करेंगे। परियोजना के साकार रूप लेने पर बुन्देलखण्ड हरा-भरा और समृद्धशाली बनेगा और इससे क्षेत्र में होने वाला पलायन भी रूकेगा। मुख्यमंत्री ने आमजनों को वृहद परियोजना के शुभारंभ अवसर पर खजुराहो में आमंत्रित किया और सभी उपस्थितजनों को मुट्ठी बांधकर परियोजना के भूमिपूजन कार्यक्रम में आने का संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर केन-बेतवा लिंक परियोजना का मॉडल और जन-कल्याण एवं विकास पर केन्द्रित प्रदर्शनी और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, लाड़ली बहनें और बड़ी संख्या में कृषक बंधु उपस्थित रहे।

संपादकीय

शेयर बाजार के निवेशकों को 12 लाख करोड़ का नुकसान, बैंकों को भारी नुकसान

शेयर बाजार, डॉलर, क्रिप्टो करेंसी, सोने चांदी के दामों में गिरावट से हाहाकार हाल ही में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बदलाव के संकेत और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारतीय शेयर बाजार में पिछले 5 दिनों में लगातार बड़ी गिरावट देखने को मिली। पांच दिनों मे निवेशकों को लगभग 12 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इसका असर न केवल भारतीय शेयर बाजार पर, वरन डॉलर के मुकाबले रुपया, सोना एवं चांदी के दामों में भी गिरावट के तौर पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका में ब्याज दरों में संभावित वृद्धि से निवेशकों में डर पैदा हो गया है। दादर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमतों के कारण निवेशकों में भय व्याप्त हो गया है, जिस कारण बाजार में बिकवाली तेज हो गई है। डॉलर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं, निर्यात व्यापार और कमोडिटी बाजारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सोने और चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट बनी हुई है। चांदी 7,000 रुपये प्रति किलोग्राम नीचे आ गई है। जबकि सोना 2प्रतिशत गिरकर 2,590 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया। क्रिप्टो करेंसी बिटक्वॉइन सहित प्रमुख क्रिप्टो करेंसी में 6फीसदी से अधिक की गिरावट आई है जिसका असर अर्थव्यवस्था में वैश्विक रूप से दिखाई देने लगा है। इस अस्थिरता ने निवेशकों के सामने यह सवाल खड़ा कर दिया है। वह अपने निवेश को किस तरह से सुरक्षित करें। बैंकों, म्यूचुअल फंड, भारतीय जीवन बीमा निगम और भारत की अन्य वित्तीय संस्थाओं ने शेयर बाजार में भारी निवेश किया है। शेयर बाजार में जिस तरीके से गिरावट देखने को मिल रही है, उसके बाद बैंकों और भारत की अन्य वित्तीय संस्थानों की हालत भी दिनों-दिन खराब होती जा रही है।

लघुकथा/कविता

अपराधबोध

आखिर उस दिन देवव्रत को अपने पिता शांतनु के चिंतित रहने का कारण पता चल ही गया। उसने आजीवन अविवाहित रहने व ब्रम्हचर्य व्रत का पालन करने की प्रतिज्ञा कर ली। फलतः शांतनु को दूसरी पत्नी के रूप में सत्यवती मिली। नई-नवेली बहू पाकर हस्तिनापुर नगरी भी खुश थी।

एक दिन शांतनु ने देवव्रत से पूछा- पुत्र ! तुमने यह भीष्म प्रतिज्ञा क्यों ली ? देवव्रत का प्रत्युत्तर था- पिताजी ! यदि इस संसार में एक पिता अपने पुत्रहित के लिए कुछ भी कर सकता है, तो एक पुत्र अपने पिता के लिए कुछ तो कर सकता है ? अपराधबोध में डूबे शांतनु निरुत्तर हो गये। आज यह बात गंगा तक पहुँची। गंगा देवव्रत की भीष्म प्रतिज्ञा से प्रसन्न नहीं थी। वह कदाचित् इस अपराधबोध से घिर गयी कि पुत्र की प्रतिज्ञा के लिए स्वयं जिम्मेदार है।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला

हौसला

उसे कथा सुनाने की आदत थी तो उसके श्रोताओं में से एक व्यक्ति को बात काटने की आदत थी। वह नई कथा सुनाता था तो वह यही कहता था - अरे, पहले भी सुनी है। खैर, आज उसने कथा सुनानी शुरू की - एक राजा था। उसकी एक परी जैसी राजकुमारी थी। जब राजकुमारी बड़ी हुई तो उसकी खूबसूरती के चर्चे दूर - दूर तक होने लगे। जब यह खबर सींग दानव के पास पहुंची तो वह मच्छर बन कर राजमहल पहुंचा और राजकुमारी को लेकर चलता बना। राजकुमारी ने उसके विवाह प्रस्ताव को ठुकराया तो उसने उसे पत्थर का बना दिया।

इतना सुनाने के बाद वह रुका और फिर उसने उस व्यक्ति से पूछा - आगे क्या हुआ होगा, यह तो आप जानते ही होंगे ?

वह व्यक्ति बोला - क्यों नहीं ? यह कहानी तो सुनी हुई लगती है। फिर राजा ने मुनादी की और फिर एक राजकुमार आया.....।

कथाकार उसे बीच में टोकते हुए बोला - बिलकुल गलत ! ऐसे राजकुमारों का जमाना तो कभी का खत्म हो चुका था। फलस्वरूप, तब से अब तक ऐसी कई राजकुमारियां पत्थरों का सा जीवन जीने को मजबूर हैं। बहरहाल, जिनमें हौसला था, वे आजाद हो गयीं लेकिन जो किसी राजकुमार के इंतजार में रहीं, वे अभी भी बुत बनी हुई हैं।

- सुभाष चंद्र लखेड़ा, 7 जैफ़रसन, एवेन्यू, शॉर्ट हिल्स, न्यू जर्सी - 07078

धनुषाधाम :

जहां आज भी पूजा जाता है सीता स्वयंवर का टूटा धनुष

धनुषा नेपाल का प्रमुख जिला है जो ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। दरअसल ये भारतीय संस्कृति के उस संधिकाल का प्रतीक है जब विष्णु के एक अवतार परशुराम और उनके बाद के अवतार श्री राम का परस्पर मिलन हुआ था । धनुषाधाम में आज भी पिनाक धनुष के अवशेष मौजूद है। जनकपुर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित धनुषा में वह मंदिर स्थित है,जहां शिव धनुष की पूजा-अर्चना की जाती है। यह स्थान भारत नेपाल सीमा से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर है।

यह नेपाल में हिंदू पूजा का एक धार्मिक स्थान है। ऐसा माना जाता है कि सीता स्वयंवर के दौरान राम द्वारा तोड़े गये शिव धनुष का एक हिस्सा यहां रखा गया है। अब धनुष के शेष भाग के आसपास मंदिर है और दुनिया भर से हिंदू श्रद्धालु यहां आते हैं। पौराणिक कथाओं के मुताबिक, मिथिला नरेश राजा जनक जी ने प्रतिज्ञा की थी कि वह सीता जी का विवाह उसी पुरुष से करेंगे जो इस शिव धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा। तब भगवान राम ने सीता स्वयंवर के दौरान शिव धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ायी थी, लेकिन प्रत्यंचा चढ़ाते समय ही शिव धनुष के तीन टुकड़े हो गए थे। शिव धनुष का दाहिना भाग आकाश पहुंच गया। एक भाग भारत के तमिलनाडु के रामेश्वरम में गिरा जो धनुष कोटि के नाम से प्रसिद्ध हुआ। मध्यभाग का धनुष नेपाल के धनुषाधाम में है। शिव धनुष का बीच का भाग जहां गिरा वह जगह धनुषा ही है। धनुष का टुकड़ा गिरने के कारण ही इस जगह का नाम धनुषा पड़ा। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के मुताबिक, शिव धनुष का मध्य भाग जहां गिरा है उस के पास एक पीपल का पेड़ है। उसी पेड़ के पास एक कुंड स्थित है, जिसे धनुष कुंड के नाम से जाना जाता है। इसी धनुष कुंड के जल के आकार से यहां अंदाजा लगाया जाता है कि इस बार फसल कैसी होगी। शिव धनुष के मध्य भाग के टुकड़े को लेकर ये भी कहा जाता है कि यह हर 5 से 7 साल में थोड़ा-थोड़ा बढ़ता जा रहा है। वहीं धनुषा धाम मंदिर इसलिए भी प्रसिद्ध है कि यहां हर तरह के मस्से से छुटकारा पाया जा सकता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अगर कोई कहता है कि उसका बढ़ता हुआ मस्सा रुक जाए तो वह आकर यहां बैंगन का भार चढ़ाएगा तो उसे बढ़ते मस्से से मुक्ति मिल जाती है।

नेपाल में राम जी केवल दामाद हैं। दरअसल, मां जानकी मिथिला वासियों के लिए बेटी के समान हैं तो इस तरह राम जी में उन्हें दामाद की छवि ही दिखाई देती है। आज भी यहां विवाह पंचमी के दिन राम-सीता का विधिपूर्वक विवाह संपन्न करवाया जाता है। विवाह पंचमी के दौरान अयोध्या से बारात जनकपुरधाम आती है। जनकपुर में भव्य जानकी मंदिर स्थित है, जहां सिया-राम के साथ लक्ष्मण जी और हनुमान जी की मूर्ति विराजमान है। विवाह पंचमी के दिन जनकपुरधाम में बड़े स्तर पर उत्सव का आयोजन किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, विवाह पंचमी के दिन भगवान राम माता सीता के साथ विवाह के बंधन में बंधे थे। वाल्मीकि रामायण में पिनाक धनुष भंग का विवरण काफी विस्तार से दिया गया है । त्रेतायुगीन जनक सीरध्वज मुनि विश्वामित्र और श्री राम को पिनाक धनुष का इतिहास बताते हुए कहते हैं कि मेरे पूर्वज देवराज को भोलेनाथ ने यह संभाल कर रखने के लिये दिया था । इसकी विशेषताओं का उल्लेख करते हुए मिथिला नरेश कहते हैं कि इस धनुष का प्रयोग मेरे वंश में कोई नहीं कर सका क्योंकि इसे उठाना और प्रत्यंचा चढ़ा पाना किसी के वश की बात नहीं। इसका आकार काफी विशाल है । इसे आठ पहियों वाले संदूक में रखकर मेरे पूजा घर में रखा गया है । हमारे परिवार की पुत्रियां धनुष वाले संदूक के चारों तरफ सफाई करती रहीं हैं। मिथिला नरेश कहते हैं कि बड़े आश्चर्य की बात है कि जबसे मेरी भूमिजा पुत्री सीता कुछ बड़ी हुई है तब से ही वह बड़ी सहजता से ना केवल संदूक को इधर उधर आसानी से कर देती है बल्कि पिनाक धनुष को भी यहां से उठा कर वहां रख देना और चारों तरफ की सफाई करने में इसे कोई परेशानी नहीं होती।जानकी का यही गुण देख कर मिथिला नरेश ने इसका विवाह उस व्यक्ति से करने का निश्चय किया जो पिनाक धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाने में समर्थ हो। इसकी घोषणा कर दी गई है लेकिन बड़े दुख की बात रही कि अनेक पुरुष आये लेकिन कोई भी समर्थ साबित नहीं हुआ।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब पिनाक धनुष टूटा तो भयंकर विस्फोट हुआ था। धनुष के टुकड़े चारों ओर फैल गए थे। उनमें से कुछ टुकड़े यहां भी गिरे थे। मंदिर में अब भी धनुष के अवशेष पत्थर के रूप में माने जाते हैं। त्रेता युग में धनुष के टुकड़े गिरे तो विशाल भू भाग में थे लेकिन इसके अवशेष को सुरक्षित रखा अब तक केवल धनुषा धाम के निवासियों ने । भगवान शंकर के पिनाक धनुष के अवशेष की पूजा त्रेता युग से अब तक अनवरत यहां चलती आ रही है जबकि अन्य स्थान पर पड़े अवशेष लुप्त हो गये । धनुषा के लोगों ने आज तक न केवल स्मृति अपितु ठोस साक्ष्य भी संभाल कर रखे हुए है। लोक मान्यता के अनुसार दधीचि की हड्डियों से वज्र, सारंग तथा पिनाक नामक तीन धनुष रूपी अमोघ अस्त्र निर्मित हुए थे। वज्र इंद्र को मिला था। सारंग विष्णुजी को मिला था जबकि पिनाक शिवजी का था जो धरोहर के रूप में जनक जी के पूर्वज देवराज के पास रखा हुआ था।इसी पिनाक धनुष को श्रीराम ने तोड़ कर विघटित कर दिया । इसके विघटन की सूचना पाकर सारंग धनुष का प्रयोग करने वाले परशुराम सत्य की पुष्टि के लिये तुरंत मिथिला की ओर रवाना हो गये। दोहरि घाट में राम और परशुराम का मिलन हुआ। यहीं विष्णु के नवोदित अवतार श्री राम ने अपना सारंग धनुष परशुराम से वापस ले लिया। वाल्मिकी रामायण के बालकांड एवं विष्णु पुराण में भी इस घटना का उल्लेख है।

कुमार कृष्णन-विनायक
फीचर्स

व्यापार....व्यापार...व्यापार....व्यापार...व्यापार....व्यापार...व्यापार....व्यापार...व्यापार....व्यापार...

प्याज का एक महीने में 50 फीसदी गिरा थोक भाव

नई दिल्ली । देश में पिछले कुछ समय से प्याज के बढ़ते भाव के संकेत के बाद अब इस विषय पर ब्रेक लग गया है। लासलगांव में सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी में प्याज की कीमत एक महीने में 50 फीसदी गिर गई है। पिछले महीने तक जहां प्याज की कीमतें 4000 रुपए प्रति क्विंटल थीं, वहीं रविवार को यह 2000 रुपए प्रति क्विंटल हो गई। नई खरीफ फसल की आवक से प्याज का मार्केट में भाव गिर रहा है। व्यापारियों का कहना है कि महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख प्याज उत्पादक क्षेत्रों में नए प्याज की आवक बढ़ने से रेट और भी गिर सकते हैं। प्याज व्यापारियों का कहना है कि खरीफ फसल का प्याज अधिक नमी के कारण लंबे समय तक भंडारित नहीं किया जा सकता, इसलिए किसान भरपूर उत्पादन के बावजूद इसे खुदाई के साथ ही बाजार में ले जा रहे हैं। अच्छी मानसूनी बारिश ने इस साल प्याज समेत अन्य फसलों जैसे टमाटर और आलू के उत्पादन को बढ़ावा दिया है। खरीफ प्याज का क्षेत्रफल इस साल पिछले वर्ष की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। लासलगांव कृषि उत्पाद बाजार समिति के निदेशक ने बताया कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज की बढ़ती आवक से मंडी भाव गिर रहे हैं। इसके बावजूद, सरकार ने प्याज के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क लगाया है। निर्यात शुल्क की कटौती की मांग हो रही है और उम्मीद है कि इससे मांग और कीमतें बढ़ सकती हैं। खरीफ फसल की मजबूत आवक से अगले कुछ हफ्तों में खुदरा कीमतों में और नरमी आने की उम्मीद है।

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी हुई महंगी

नई दिल्ली । इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत में नरमी देखी जा रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव 75,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोना के भाव सुस्ती और चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरबरी कॉन्ट्रेक्ट 21 रुपये की गिरावट के साथ 76,399 रुपये के भाव पर खुला। सोने के वायदा भाव ने इस साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 408 रुपये की तेजी के साथ 88,800 रुपये पर खुला। इस समय यह 463 रुपये की तेजी के साथ 88,855 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में चांदी के वायदा भाव में तेजी और सोने के भाव में नरमी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,639.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,645.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,640.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.05 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.95 डॉलर था। इस समय यह 0.19 डॉलर की तेजी के साथ 30.14 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सेमीकंडक्टर स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नोलॉजीज ने जुटाए 80 लाख डॉलर

नई दिल्ली । फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नोलॉजिज ने ए श्रृंखला राउंड में 80 लाख डॉलर जुटाए हैं। इस रकम का उपयोग कंपनी अपने कार्यबल का विस्तार करने और अपनी इन हाउस इंजीनियरिंग क्षमताओं को बढ़ाने में करेगी। कंपनी ने यह जानकारी दी है। इस दौर का सह नेतृत्व रॉकेटशिप वीसी और स्पेशियल इन्वेस्ट ने किया। निवेश से कंपनी को अपने पहले चिप के उत्पादन और बिक्री बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इस साल शुरुआत में मई 2024 में कंपनी ने सिक्योर आईओटी पेश किया था, जो भारत का पहला वाणिज्यिक ग्रेड उच्च प्रदर्शन माइक्रोकंट्रोलर एसओसी (सिस्टम ऑन चिप) और 28 एनएम पर तैयार किया गया। इसे उन इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज के लिए डिजाइन किया गया है जो घड़ियां, मीटर, ताले और एक्सेस कंट्रोल यूनिट को स्मार्ट में बदल रही हैं। साथ ही साथ प्रिंटर और प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों जैसी पावर डिवाइसों में यह काम आता है। चिप के अगले साल के मध्य तक बाजार में आने की संभावना है। इसके अलावा, माइंडग्रोव को भारत सरकार की सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत एक नई चिप, विजन एसओसी तैयार करने के लिए भी 15 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है।

राष्ट्रीय जनभावना

अहिरवार समाज की तेजी से होती प्रगति का सभी समाज अनुसरण करे : विजयवर्गीय

समाज के अंतरराष्ट्रीय कोच मिथिलेश कैमरे नें विदेश में जाकर अहिरवार समाज जो देश का नाम रोशन किया इस मौके पर मंत्री जिन्होंने सम्मानित भी किया

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। अहिरवार समाज की तेजी होती प्रगति को देखकर अन्य समाजों को भी इनका अनुसरण करना करना चाहिए उक्त उदगार मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अहिरवार समाज परिषद इंदौर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय परिणय परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विशाल अहिरवार जाटव एवं अन्य रविदासीय समाज जनों के समक्ष कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह जी आर्य, प्रदेश के मंत्री गौतम टेटवाल जी (विकास विकास मंत्री), विधायक महेंद्र हार्डिया, उज्जैन के महापौर मुकेश टेटवाल, सूरज केरो, हरिनारायण यादव, मदन मांजरे, कैलाश मोहने, जेपी बीसे, गजानंद सुनहरे उपस्थित थे। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत परिषद् के अध्यक्ष सूरज केरो, सचिव मदन मांजरे, संयोजक कैलाश मोहने, गोपाल जाटव, जे.पी. बीसे, गजानंद सुनहरे, पत्रकार, गणेश विरदे, हरीश बामने, राकेश केरो, दिलीप टेटवाल, , नितेश खाण्डेकर, सोनू अहिरवार, विजय शेरोके, नरेंद्र शेरको ने किया। परिषद अध्यक्ष सूरज केरो ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्य प्रदेश में रविदास वंशीय समाज बोली, उपजाति प्रांत की दीवारें तोड़ कर संगठित हो रहा है। समाज की महिला मण्डल की ओर से पूर्व पार्षद श्रीमती निर्मला केरो, श्रीमती संध्या सुंटे, श्रीमती विमला भण्डारी, श्रीमती सरोज उज्जैनी, पिंकी सुनहरे, एडवोकेट-पूर्णिमा बिसे ने मंच की बागडोर संभाल कर परिचय के लिए युवक-युवतियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर संत श्री रविदास जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कार्यक्रम के दौरान बारेलाल अहिरवार, अम्बाराम, ओम मोहने, पृथ्वीराज उस्ताद, जे.एन. खाण्डेगर, श्री बी. एल. हड़ेते, अंकित घेसे, सोनू अहिरवार, जयनारायण सुंदरे, ज्ञानचंद विदे, कमल जाटव, सतीश जाटव, ओ.पी. जोडवाल, लक्ष्मण कलौंजे, भागीरथ डुबरीया, सुरेश गोन्दले, बालमुकुंद सिमरैया, कमल पाल उस्ताद, सुमित जाटव, गजानंद सुनहरे आदि कार्यकारिणी ने कार्यक्रम संभालने में सहयोग प्रदान किया। मंच के माध्यम से बहुरंगीन पत्रिका का विमोचन भी किया गया। लोगों ने बढ़-चढ़ कर कुंडली मिलान में भागीदारी की, युवाओं ने परमर्श केन्द्र पुस्तक विक्रय, भोजन व्यवस्था एवं अभिभावकों को एक दूसरे से मिलाने की व्यवस्था की। इसी अवसर पर परिचय का लाईव टेलीकास्ट एवं पुस्तिका की सारी प्रविष्टियों का एलईडी पर प्रसारण भी किया गया। इस 23 वें, रविदास वंशिय सम्मेलन में दिल्ली, मुम्बई, कोलकता, राजस्थान, उतार प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के होनहार डॉक्टर, इंजीनियर शासकीय कर्मचारी व उच्चा शिक्षित युवक-युवतियों की संख्या अधिक मात्रा में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन मदन मांजरे ने किया। आभार कैलाश मोहने ने माना ।

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों की वार्षिक परीक्षा समय-सारणी जारी

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा-3, 4, 6 और कक्षा-7 की वार्षिक परीक्षा की समय-सारणी जारी की है। परीक्षा के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर को आवश्यक निर्देश भी जारी किये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने वार्षिक परीक्षा के आयोजन के पहले बैठक व्यवस्था और अन्य तैयारियों के संबंध में जिला परियोजना समन्वयकों को पूर्व तैयारी करने के लिये कहा है। कक्षा-3 और 4 की वार्षिक परीक्षा अगले वर्ष 6 मार्च से शुरू होकर 11 मार्च को समाप्त होगी। इन कक्षाओं की परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 4-30 बजे तक रहेगा। कक्षा-6 और 7 की वार्षिक परीक्षा 6 मार्च से शुरू होकर 12 मार्च, 2025 को समाप्त होगी। इन कक्षाओं की परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 4-30 बजे तक रहेगा। परीक्षा में शामिल होने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय और लेखक की सुविधा प्रदान की जायेगी।

32 विभाग, एक मिशन - कौशल के माध्यम से मध्यप्रदेश को बनाना आत्मनिर्भर

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश एक नई क्रांति की ओर बढ़ रहा है। युवाओं के सपनों को साकार करने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 23 दिसंबर 2024 को मंत्रालय में कौशल विकास पर आधारित एक वृहद कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 32 विभाग अपने कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण देंगे। कार्यशाला आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने का एक मजबूत प्रयास है, जिसमें विभागीय योजनाओं के समन्वय और नवाचारों पर चर्चा होगी। कार्यशाला में तकनीकी शिक्षा, औद्योगिक नीति, महिला बाल विकास, कृषि, ऊर्जा, और स्वास्थ्य जैसे विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की प्रगति साझा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि हर युवा को कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना ही राज्य के विकास का आधार है। यह आयोजन न केवल युवाओं के हुनर को निखारने का मौका देगा, बल्कि उन्हें वैश्विक अवसरों के लिए भी तैयार करेगा। कार्यशाला में रोजगार आधारित नवाचारों और योजनाओं की समीक्षा के साथ एकीकृत पोर्टल विकसित करने पर भी चर्चा होगी। आयोजन राज्य में कौशल विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा और युवाओं को एक बेहतर और उज्जवल भविष्य की ओर ले जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्टार्ट-अप से जुड़े युवाओं को दी बधाई

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के युवाओं के स्टार्ट-अप क्रॉम्पटन अल टेक्नालॉजीस के दक्षिण कोरिया में कम-अप 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी है। यह आयोजन हाल ही में दक्षिण कोरिया में सियोल में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वास्तव में यह प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। युवाओं ने प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की स्टार्ट-अप नीति की सफलता से प्रेरित ये उपलब्धि हमारे युवाओं की सृजनशीलता और प्रतिभा का प्रतीक है।

प्रदेश में मिलेट्स उत्पादन को किया जाए प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में मोटे अनाज अर्थात मिलेट्स के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि विशेषज्ञ और विभागीय अधिकारियों की समिति बनाकर कार्य-योजना विकसित की जाए।

समिति में कृषक प्रतिनिधियों को भी अनिवार्यतः शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में रविवार को कृषि विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए।

कृषकों की आय में होगी वृद्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोटे अनाजों के उत्पादन से फसल लेने की लागत में कमी आएगी और कृषकों की आय में वृद्धि होगी। यह पहल किसानों के सामाजिक आर्थिक स्तर में सुधार लाने और खेती को लाभ के व्यवसाय के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी।

उत्पादन बढ़ाने कृषकों का करें सहयोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में तिलहन और दालों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी कृषकों को प्रेरित किया जाए। इसके लिए कृषकों को नवीन कृषि तकनीक, उन्नत बीज, उपयुक्त उर्वरक और कीटनाशक के संबंध में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। बैठक में जानकारी दी गई की प्रदेश में धान का क्षेत्राच्छादन साधन 36 लाख 33 हजार हेक्टर क्षेत्र में है और उपार्जन के लिए 7 लाख 76 हजार किसान पंजीकृत हैं।

राजपूताना शान में रंगा पूर्वी क्षेत्र

सादगी और मर्यादा के साथ युवक युवतियों ने अनोखे अंदाज में दिया मंच से परिचय

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना।

रविवार सुबह राजपूताना आन बान ओर शान के साथ अखिल भारतीय युवक युवती परिचय सम्मेलन में मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों के साथ देश एवं विदेश की प्रतिभाओं ने सहभागिता की।

राजपूत रत्न सम्मान दुले सिंह राठौर निपानिया को प्रदान किया गया एवं संयुक्त परिवार की छात्राणियों (महिलाओं) , वृद्ध जनों एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। राजपूत समाज युवा चेतना मंडल का अखिल भारतीय 32 वां निशुल्क युवक युवती परिचय सम्मेलन पूर्वी क्षेत्र के साइ पैलेस गार्डन आईटीआई रोड में संपन्न हुआ। अध्यक्ष सुनील सिंह उमठ, कमलेश्वर सिंह सिसोदिया,मनोहर सिंह चौहान, अंतर सिंह सिसोदिया, श्रीमती रेणु परिहार ने बताया कि सम्मेलन के लिए विशेष तैयारी दो माह से चल रही थी, 500 से ज्यादा राजपूत युवक यूतियों ने मर्यादा,सादगी और संयम के साथ अनोखे अंदाज में परिचय देकर सबका मन जीत लिया। सम्मेलन स्तर पर कुंडली मिलान व ज्योतिष की जानकारी भी चर्चा का विषय रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयपाल सिंह चावड़ा, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की उपाध्यक्ष विजय सिंह परिहार, दूले सिंह राठौर,सुरेश भदोरिया, नागपुर चेतना मंच प्रतिभा राणा, राजू भदोरिया,अजय सिंह नरूका, मोहन सेंगर ,निहाल सिंह चौहान, पप्पू ठाकुर, धर्मेंद्र सिंह गौतम,मुकेश गौतम , माला ठाकुर,मुकेश चौहान , अजय सिंह चौहान,आदि मुख अतिथि के रूप में शामिल हुए।संचालन देवेंद्र सिंह राठौड़ मनोहर सिंह चौहान आभार सुनील सिकरवार ने माना। शनिवार शाम से ही बड़ी संख्या में राजपूत समाज

जनों का आगमन शुरू हो गया है, रविवार को 5000 से ज्यादा राजपूत समाज जनों का जमावड़ा साइ पैलेस गार्डन में रहे रहे एव कार्यक्रम की गरिमा प्रदान की। विशाल मंच से प्रतिभागी अपने भावी जीवनसाथी के बारे में बताएंगे। आयोजन स्थान पर कुंडली मिलान एवं ज्योतिष की व्यवस्था भी निशुल्क रखी गई है। इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष दूले सिंह राठौड़ निपानिया को राजपूत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया जा रहा है, चंद्रपाल उस्ताद व्यायाम शाला के, मनोज सिंह सोमवंशी आदि को भी विशेष सेवाओं के लिए सम्मान प्रदान किया गया। संयुक्त परिवार में रहने वाली छात्राणियों को भी विशेष पुरस्कार , समाज के 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बुजुर्गों का सम्मान किया। इस अवसर पर 1000 से ज्यादा विवाह योग्य युवक यूतियों की बहुरंगी पुस्तिका तब विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया ।

इनके हाथ रही प्रमुख कमान

राजपूत समाज युवा चेतना मंच के इस भव्य आयोजन में प्रमुख रूप से श्रीमती कृष्णा ठाकुर, श्रीमती श्रद्धा सिंह गौर, श्रीमती खुशबू बेस, श्रीमती सीमा बेस ,श्रीमती मीना सिंह,राजू सिंह चौहान, सुनील सिंह राठौर,वीरेंद्र सिंह चौहान, सुरेंद्र सिंह पवार, नारायण सिंह देवड़ा ,छतर सिंह शेखावत, देवेंद्र सिंह राठौड़ ,तरुण सिंह ठाकुर कल्याण सिंह सिलोदा, विजय सिंह पवार आदि प्रमुख भूमिकाओं में व्यवस्थाओं को बखूबी बनाए रखा।

त्रिवेणी मेला संस्कृति व सनातन धर्म का परिचायक है : महापौर प्रहलाद पटेल

त्रिवेणी मेले का हुआ विधिवत् पूजा-अर्चना के साथ शुभारंभ

रतलाम।

नगर का प्राचीन त्रिवेणी मेला संस्कृति व सनातन धर्म का परिचायक है, इस मेले में शहरी व ग्रामीण जनता का मिलन होता है। हमारा भी कर्तव्य है कि अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखकर आने वाली पीढ़ी को दें।

उक्त उद्गार महापौर प्रहलाद पटेल ने ग्यारह दिवसीय त्रिवेणी मेले के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किये। उन्होने नागरिकों से रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने की अपील करते हुए, प्लॉस्टिक से मानव शरीर व पर्यावरण को होने वाले नुकसान की जानकारी से अवगत कराते हुए सिंगल यूज प्लॉस्टिक व डिस्पोजल का उपयोग ना करने का आव्हान किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन मे कहा कि नगर निगम मेलो का आयोजन कर हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखकर प्रशंसनीय कार्य कर रही है। उन्होने इस अवसर पर कहा कि रतलाम नगर को स्वच्छ बनाने हेतु महापौर प्रहलाद पटेल कार्य कर रहे है उस कार्य में हम सभी को उनका साथ देना होगा तभी रतलाम स्वच्छता में नम्बर 1 बनेगा।

निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीशा शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हमें मेलो का आयोजन उत्साह पूर्वक करना चाहियें ताकि हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को विरासत के रूप में दे सकें। उन्होने कहा कि नगर निगम द्वारा आयोजित ग्यारह दिवसीय त्रिवेणी मेले का आयोजन किया गया है अधिक से अधिक नागरिक मेले सम्मिलित होकर आयोजित मेले को सफल बनाकर अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखें। क्षेत्रिय पार्षद एवं महापौर परिषद सदस्य विशाल शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में मेले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल भावना को बढ़ावा देने हेतु आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिओं की जानकारी दी। प्रारंभ में महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, मंडल अध्यक्ष कृष्णकुमार सोनी, नन्दकिशोर पवांर, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट, नेता पक्ष भगतसिंह भदौरिया, सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी धर्मेन्द्र व्यास, राजस्व समिति प्रभारी दिलीप गांधी, महापौर परिषद सदस्य पप्पू पुरोहित, श्रीमती अनिता कटारा, विशाल शर्मा, मनोहरलाल राजू सोनी, रामुभाई डाबी, श्रीमती सपना त्रिपाठी, सामान्य प्रशासन समिति सदस्य परमानन्द योगी, श्रीमती कविता चौहान, श्रीमती प्रीति कसेरा, राजस्व समिति सदस्य योगेश पापटवाल, पार्षद श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती हीना मेहता, मेला अधिकारी करूणेश दण्डोतिया, पार्षद प्रतिनिधि संजय कसेरा, गौरव त्रिपाठी, रोहित चौहान, हार्दिक मेहता, रमेश पांचाल के अलावा राकेश मिश्रा, करण वशिष्ठ, संजय शर्मा, निगम अधिकारी एवं कर्मचारी सहित नागरिकों ने विधिवत् पूजा-अर्चना कर ग्यारह दिवसीय त्रिवेणी मेले का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी धर्मेन्द्र व्यास ने किया व आभार क्षेत्रिय पार्षद तथा महापौर परिषद सदस्य अक्षय संघवी ने माना।

शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का नागरिक लाभ लेवें

रतलाम । मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार भारत सरकार और राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं एवं शासकीय कार्यालय में नागरिक सेवाओं के प्रदाय से संबंधित लंबित आवेदन, आवेदनों का निराकरण में शत-प्रतिशत सैचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए %%मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान'' के तहत कार्यालयीन समय में वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। महापौर माननीय श्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि 9 जनवरी 2025 तक चलाये जाने वाले %%मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान'' के तहत 23 दिसम्बर को 23 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 21 नरसिंह वाटिका व वार्ड क्रमांक 22 श्री गणगौरिया उंकाला हनुमान मंदिर, 24 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 23 संतोषीमाता मंदिर तेजा नगर व वार्ड क्रमांक 24 नाहर पब्लिक स्कूल, 26 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 25 हरमाला पम्प हाउस व वार्ड क्रमांक 26 माध्यमिक विद्यालय अगरजी का मंदिर उंकाला रोड पेट्रोल पम्प के पास, 27 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 27 शैरानीपुरा जमात खाना व वार्ड क्रमांक 28 सामुदायिक भवन दिलीप नगर, 28 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 29 कम्युनिटी हॉल होमगार्ड कॉलोनी व वार्ड क्रमांक 30 रहमत नगर जमात खाना, 30 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 31 कम्युनिटी हॉल डोसीगांव व वार्ड क्रमांक 32 नेहरू स्टेडियम, 31 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 33 तरणताल वेक्शीनेशन सेंटर व वार्ड क्रमांक 34 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टीआईटी रोड, 1 जनवरी को वार्ड क्रमांक 35 नगर निगम फायर ब्रिगेड कार्यालय व वार्ड क्रमांक 36 कालिका माता सांस्कृतिक मंच के पीछे, 2 जनवरी को वार्ड क्रमांक 37 शैरानीपुरा जमात खाना व वार्ड क्रमांक 38 शैरानीपुरा जमात खाना, 3 जनवरी को वार्ड क्रमांक 39 नगर निगम फायर ब्रिगेड कार्यालय व वार्ड क्रमांक 40 पूर्णेश्वर मंदिर के पीछे लायब्रेरी, 4 जनवरी को वार्ड क्रमांक 41 महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल व वार्ड क्रमांक 42 मोहन टॉकिज सैलाना वालो की हवेली, 6 जनवरी को वार्ड क्रमांक 43 मेवाड साथ धर्मशाला व वार्ड क्रमांक 44 बोहरा बाखल तयबीया स्कूल, 7 जनवरी को वार्ड क्रमांक 45 गौशाला बगीचे के पास शासकीय स्कूल व वार्ड क्रमांक 46 आईएमए हॉल गौशाला रोड, 8 जनवरी को वार्ड क्रमांक 47 विनोबा स्कूल के पीछे मुस्लिम समाज का भवन मदरसा व वार्ड क्रमांक 48 जैन कन्या स्कूल, 9 जनवरी को वार्ड क्रमांक 49 चार भुजा मंदिर के सामने धर्मशाला ब्राम्हण वास में कार्यालयीन समय में शिविर का आयोजन किया गया है। आयोजित शिविरों में भारत सरकार व राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को दिलाया जायेगा। योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र हितग्राही वंचित ना रहे इस हेतु चिन्हित योजनाओं के अन्तर्गत प्रदत्त लाभों का सत्यापन किया जावेगा एवं लाभ से वंचित हितग्राही की पहचान की जावेगी एवं लाभ से वंचित हितग्राही का उसी समय योजना से संबंधित आवेदन भरवाया जावे जाकर आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कराकर आवेदन के साथ संलग्न किये जावेंगे।

विश्व ध्यान दिवस पर हुआ अनूठा आयोजन

रतलाम। सैलाना में पीएम राइस स्कूल में विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में 21 दिसम्बर को प्राचार्य गिरीश सारस्वत की अध्यक्षता में ध्यान का आयोजन किया गया। श्री सारस्वत ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने पहली बार 21 दिसम्बर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित किया है, इससे भारत का मान बड़ा है व ध्यान दुनिया मे जन जन तक पहुंचेगा। बच्चों व स्टाफ ने ध्यान का लाभ लिया। हार्टफुलनेस संस्था के केवी सोनी ने ध्यान करने से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। हार्टफुलनेस कि टीम ने हृदय पर ध्यान व शिथिलीकरण की प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव कराया जो छात्रों व स्टाफ को अच्छा लगा, उन्होंने हल्कापन महसूस किया। हार्टफुलनेस संस्था की ओर से अर्पिता त्रिवेदी, रीता अग्रवाल, रेखा सोनी, आभा क्षोत्रिय, स्वेता क्षोत्रिय उपस्थित रहीं। स्कूल से श्रीमती किरण देदरा, कमलेश पाटीदार, रवि जोन्वेल, एल.एन. प्रजापत, सुरेश बानिया आदि उपस्थित थे। यह जानकारी स्कूल के वरिष्ठ शिक्षक वैभव दुबे द्वारा दी गई।

देश के सच्चे सपूत और देशभक्त थे अटल जी : मंडल प्रभारी शर्मा

रतलाम। भारतीय जनता पार्टी दिनदयाल मंडल की कामकाजी बैठक रविवार को पैलेस रोड़ स्थित जिला भाजपा कार्यालय में जिला प्रभारी प्रदीप पांण्डेय की उपस्थिति मे सम्पन्न हुई। इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने की। बैठक मे 25 दिसंबर को सुशासन दिवस एवं 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की तैयारियों पर चर्चा हुई। मंडल प्रभारी जिला कार्यालय मंत्री मनोज शर्मा ने इस मौके पर कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी सच्चे सपूत व देश भक्त थे। उनका विरोधी भी सम्मान करते थे। इनकी जयंती पर भाजपा प्रतिवर्ष सुशासन दिवस मनाती आ रही है। इस वर्ष की सुशासन दिवस पर बूथ स्तर से जिला स्तर तक कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। 26 दिसंबर को इसी तरह वीर बाल दिवस मनाया जायेगा। बैठक के आरंभ मे अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने स्वागत भाषण दिया। जिला महामंत्री निर्मल कटारिया, मंडल महामंत्री नंदकिशोर पंवार, कमल सिलावट एवं कार्यक्रम प्रभारी नितिन तिवारी मंचासीन रहे।

71 वें महारूद्र यज्ञ आरती में प्रथम दिन सम्मिलित हुए कई समाजजन

रतलाम।

11 दिवसीय महारूद्र यज्ञ में आज यज्ञाचार्य पं. दुर्गाशंकर जी ओझा एवं 21 भूदेवों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ यजमान श्रीमती प्रेमलता संजय दवे द्वारा आहूतियां दी गई। महारूद्र यज्ञ समिति एवं सनातन धर्म सभा अध्यक्ष अनिल झालानी ने बताया कि शनिवार को यज्ञ नारायण की आरती कर परिक्रमा की गई।

यज्ञ नारायण की आरती में आमंत्रित विभिन्न समाज से जिनमें नागर ब्राह्मण समाज से दिलीप मेहता, राजपुत नवयुवक मंडल हाथीखाना से राजेन्द्र सिंह गोयल, चारभुजानाथ मंदिर राजपूत समाज से भारत सिंह सिसौदिया, कायस्थ समाज से रत्नदीप निगम, गुर्जर समाज से देवेन्द्र गुर्जर एडवोकेट, राठौड़ तेली समाज से रतनलाल खन्नीवाल, क्षत्रिय पिपा समाज से रवि पंवार, नेपाली संस्कृति परिषद से नरेन्द्र श्रेष्ठ ने समाज बंधुओं के साथ उपस्थित होकर यज्ञ नारायण की आरती की गई।

आरती पश्चात आमंत्रित सभी सनातन समाज बंधुओं का आयोजन समिति की और से भगवा दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों भक्तगण उपस्थित रहे।श्री बद्रीनारायण सेवा ट्रस्ट द्वारा त्रिवेणी तट पर संचालित अन्न क्षेत्र में निराश्रितों को सत्यनारायण पालीवाल परिवार की ओर भोजन प्रसादी का लाभ लिया। निराश्रितों को केसरिया भात, हलवा, सब्जी पुड़ी का भोजन कराया गया। इस अवसर पर डॉ. राजेन्द्र शर्मा, नवनीत सोनी, मनोहर पोरवाल, मनोज शर्मा, राजेश दवे, सत्यनारायण राठौर एवं धर्मालुजन उपस्थित थे।

चायना लहसुन से भरे ट्रक पुलिस ने छोडे, थोड़ी देर बाद फिर पकड़ लिए

ट्रक ड्राईवर बोल रहे सारे दस्तावेज कम्पलिट, कोर्ट के आदेश भी नहीं मान रही पुलिस

जावरा।

गत 17 दिसंबर की रात में अफगानिस्तान के टैग लगी चायना लहसुन से भरे दो ट्रक होटल जोयो चौराहे पर किसानों ने पकड़कर पुलिस थाने पर खड़े करवाए थे।

जिसके बाद दो दिन तक ट्रक थाने में खड़े रहे, जांच में कोई भी अधिकारी यह सिद्ध नहीं कर पाए कि ट्रकों में भरी लहसुन अवैध रुप से आई हैं, ऐसे में न्यायालय के आदेश पर औद्योगिक क्षैत्र पुलिस को दोनो ट्रक छोड़ना पड़े, लेकिन ट्रक छोड़ने के कुछ ही देर पर पुलिस दोनो ट्रक को वापस लेकर आ गई और ट्रक ड्राईवर से चाबी लेकर ट्रक को अरनीयापीथा मंडी में खडा करवा दिया। लेकिन अब सवाल यह उठाता है कि जब पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर दोनो ट्रक छोड़ दिए थे, उन्हे वापस किस आधार पर लाया गया और किस कारण से मंडी में ट्रक खडे किए हैं, ट्रकों को मंडी में खड़ी करने के बाद ट्रक चालक का विडियों सोश्यल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं, जिसमें वह कह रहा हैं कि कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने ट्रक छोड़ दिए थे, लेकिन करीब 25 किलोमीटर चलकर गए थे, और पुलिस ने वापस बुला लिया और हमसे ट्रक की चाबी लेकर ट्रक मंडी में खड़े कर दिए। इतना ही नहीं ट्रक की निगरानी के लिए दो जवान भी तैनात किए गए हैं। ड्राईवर ने बताया कि ट्रक में जो लहसुन भरी हैं, उसके कस्टम से लेकर बिल्टी व सारे पेपर लगे हुए हैं, गाड़ियों का टेक्स भी भरा हुआ हैं, ट्रक हमारी रोजी रोटी का एक मात्र साधन हैं, 17 तारिख से हम यहीं खड़े हैं, जिसके चलते हमारे परिवार के लोग भी परेशान हो रहे हैं, आखिल पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद भी ट्रक क्यों पकड़े हैं। इसका जवाब नहीं दे रहे हैं। पुलिस ने हमसे गाड़ी की चाबीयां भी ले ली हैं और हमारे मोबाईल भी ले लिए हैं, ऐसे में हम ना तो हमारे घर पर बात कर पा रहे हैं और ना ही गाड़ी मालिक से हमारी बात हो पा रही हैं। हमारी ट्रके मंडी में लावारिस हालत में खड़ी हैं।

क्रिसमस: प्रभु यीशु के जीवन से प्रेरित करुणा और सेवा का पवित्र उत्सव

क्रिसमस, हर वर्ष 25 दिसंबर को मनाया जाने वाला पर्व, केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है; यह प्रेम, शांति और मानवता के मूल्यों का अनुपम प्रतीक है। यह दिन प्रभु यीशु मसीह के अवतरण की पुण्य स्मृति में समर्पित है। ईश्वर के अवतार माने जाने वाले यीशु मसीह ने अपने जीवन के माध्यम से सत्य, करुणा और निष्काम सेवा का अद्वितीय संदेश दिया, जो समस्त मानव जाति के लिए पथप्रदर्शक बना। उनके उपदेशों ने ऐसे समाज की परिकल्पना की, जहाँ समानता, सहिष्णुता और परोपकार के आदर्श सर्वोपरि हों। क्रिसमस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह मानवीय मूल्यों की विजय और आत्मिक जागृति का दिवस है। यह पर्व हमें न केवल आत्मनिरीक्षण करने, बल्कि अपने कर्मों का आकलन करने और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को समझने का सुअवसर प्रदान करता है। क्रिसमस की यह ज्योति हर हृदय में प्रेम, दया और समर्पण का आलोक फैलाने का आह्वान करती है।

करीब दो सहस्राब्दियों पूर्व, जब समाज अन्याय, अज्ञानता और भेदभाव के अंधकार में डूबा हुआ था, प्रभु यीशु मसीह का जन्म एक साधारण गौशाला में हुआ। बेथलहम के उस विनम्र स्थान ने एक ऐसे व्यक्तित्व को जन्म दिया, जिसने करुणा और सत्य के आदर्शों से दुनिया को आलोकित किया। मरियम, जिन्हें स्वर्गदूत गेब्रियल ने ईश्वर के पुत्र को जन्म देने का संदेश दिया था, ने अपने शिशु के रूप में मानवता के उद्धारकर्ता को प्राप्त किया। प्रभु यीशु का जन्म इस बात का प्रतीक था कि महानता साधारण परिवेश में भी जन्म ले सकती है। उन्होंने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण से यह सिद्ध किया कि सच्ची आध्यात्मिकता बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि मानवीय सेवा और दया में निहित है। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि धर्म का उद्देश्य केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि वह मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

क्रिसमस का त्योहार अपने अद्वितीय वैश्विक स्वरूप और सांस्कृतिक विविधताओं के लिए प्रसिद्ध है। यह पर्व न केवल धार्मिक समुदायों को, बल्कि विभिन्न जातियों, संस्कृतियों और धर्मों को भी एकता के सूत्र में बाँधता है। भारत जैसे बहुरंगी संस्कृति वाले देश में, क्रिसमस को अत्यंत उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। चर्चों में आधी रात की प्रार्थनाएँ, घरों की भव्य सजावट, उपहारों का आदान-प्रदान और सांता क्लॉज की प्रतीक्षा इस पर्व को विशिष्ट बनाती हैं। क्रिसमस ट्री, जो जीवन के शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है, घरों और सार्वजनिक स्थलों की शोभा बढ़ाता है। भारत में विशेष रूप से पॉइन्सेत्तिया के गहरे लाल रंग के पौधों और मोमबत्तियों से सजावट की जाती है।

विश्व के विभिन्न देशों में क्रिसमस अपने विशिष्ट अंदाज में मनाया जाता है, जिससे इसकी वैश्विकता और आकर्षण और भी बढ़ जाता है। पश्चिमी देशों में क्रिसमस ट्री पर सजावट जीवन के सतत चक्र और नवीकरण का प्रतीक मानी जाती है। पोलैंड में मकड़ी के जाल से ट्री सजाने की परंपरा, जापान में केएफसी पर भोजन, और ब्रिटेन में क्रिसमस क्रैकर्स की परंपरा इस पर्व के अनूठे आयाम प्रस्तुत करती हैं। स्वीडन में डोनाल्ड डक के कार्टून देखने की परंपरा और जर्मनी में ÷एड्वेंट कैलेंडर÷ के साथ पर्व की प्रतीक्षा, इस त्योहार के सांस्कृतिक रंगों को और भी समृद्ध करती है। इन परंपराओं के माध्यम से क्रिसमस का संदेश – प्रेम, शांति, और सद्भाव – दुनिया के हर कोने में गूँजता है।

क्रिसमस का असली सार प्रेम, दया और सेवा में निहित है। यह पर्व हमें अपने भीतर झाँकने और यह समझने का अवसर देता है कि सच्ची खुशी भौतिक सुख-सुविधाओं में नहीं, बल्कि दूसरों की भलाई में है। प्रभु यीशु के उपदेश यह सिखाते हैं कि करुणा और सहानुभूति से परिपूर्ण हृदय ही सच्चा धार्मिक हृदय है। गरीब, बेसहारा और वंचित वर्ग की सहायता करना क्रिसमस के उत्सव का मुख्य उद्देश्य है। यह दिन हमें स्वार्थ और अहंकार को त्यागने, और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने की प्रेरणा देता है। हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या संस्कृति से संबंधित हो, इस दिन मानवता के प्रति अपने दायित्वों को पहचानता है।

आज के समय में, जब पर्यावरण संरक्षण मानवता के लिए प्रमुख विषय बन गया है, क्रिसमस को भी पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। असली और कृत्रिम क्रिसमस ट्री के उपयोग को लेकर चर्चा बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कृत्रिम पेड़ों का दीर्घकालिक उपयोग किया जाए, तो यह अधिक पर्यावरणीय अनुकूल हो सकता है। यह दृष्टिकोण हमें यह सिखाता है कि हमारे त्योहार न केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हों, बल्कि पर्यावरण-संवेदनशील भी हों। यही सही मायने में त्योहारों की सच्ची भावना है– प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन बनाए रखना।

क्रिसमस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह मानवता, करुणा और शांति के शाश्वत संदेश का दिव्य उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि जब हम अपने भीतर के स्वार्थ, ईर्ष्या और द्वेष जैसे नकारात्मक भावों को तजकर दूसरों की भलाई और सेवा में समर्पित होते हैं, तभी जीवन का सच्चा उद्देश्य उद्घाटित होता है। प्रभु यीशु मसीह के जीवन और उनके आदर्श हमें यह प्रेरणा देते हैं कि धर्म का असली स्वरूप मानवता की सेवा, निष्काम परोपकार और समर्पण में निहित है। क्रिसमस का वास्तविक प्रकाश न तो केवल जगमगाते दीपों और सजी-धजी झूमरों में है, न ही उपहारों की चकाचौंध में, बल्कि यह हमारे हृदयों में बसे प्रेम, करुणा और सहानुभूति की मृदुल आभा में झलकता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि मानवता के प्रति हमारे दायित्व क्या हैं और कैसे हम अपने कार्यों से समानता, सहिष्णुता और शांति पर आधारित समाज की रचना कर सकते हैं। क्रिसमस का सच्चा मर्म प्रेम, मानवता और शांति के अमर आदर्श में निहित है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपनी आत्मा के प्रकाश को जगाएँ और दूसरों के जीवन में आनंद और सुकून का संचार करें। यही इस पावन उत्सव का सार्वभौमिक संदेश है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत,
बड़वानी (म.प्र.)

महिला का मंगलसूत्र झपटने वाला लुटेरा गिरफ्तार

भोपाल। मंगलवारा थाना इलाके में अल्पना पेट्रोल पंप के पास पैदल जा रही महिला का मंगलसूत्र झपट कर भाग रहे बदमाश को महिला के रिश्तेदारो ने आसपास के लोगो की मदद से दबोच लिया। लोगो ने पहले तो उसकी जमकर पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार ललितपुर उत्तर प्रदेश की रहने वाली ज्योत्सना राजपूत पति विक्रम राजपूत (27) भोपाल में रहने वाले रिश्तेदार की शादी में शामिल होने परिवार सहित यहाँ आई थी। शनिवार दोपहर साढ़े 12 बजे परिवार ललितपुर से भोपाल पहुंचा। रेलवे स्टेशन से वह परिवार के साथ पैदल पैदल बाहर निकली और अल्पना पेट्रोल पंप के पास सवारी आटो में बैठने के लिये जा रही थी। इसी बीच एक बदमाश पैदल चलते हुए उनके पास आया और गले से मंगलसूत्र झपटकर भागने लगा। पकड़े गये आरोपी की पहचान अफसर पिता राजउद्दीन (29) के रुप में हुई है। वह मूल रुप से विदिशा के कुरवाई, गांव सिरावली का रहने वाला है, जो फिलहाल मुरली नगर करोंद में रहता है। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे लूटा गया मंगलसूत्र जब्त किया गया है। पुलिस उससे अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ करने के साथ ही उसका अपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट

कोहली का उत्साही प्रशंसकों को इंतजार

मेलबर्न (एजेंसी)। कोहली, कोहली... 90000 उत्साही प्रशंसकों के नारे आज भी कानों में गूंजते हैं जब आप प्रसिद्ध एमसीजी में कदम रखते हैं, भले ही पूर्व भारतीय कप्तान ने ॠ20 विश्व कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की हो। उस समय, विराट कोहली ने 53 गेंदों पर नाबाद 82 रनों की पारी खेलकर भारत को हार के मुंह से जीत छीनने में मदद की थी, और अब वह एक और जीत की तलाश में जी पर वापस आ गए हैं। कोहली ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की दूसरी पारी में शतक लगाकर शानदार शुरुआत की। लेकिन उसके बाद से वह सुस्त पड़ गए हैं और एडिलेड और ब्रिसबेन टेस्ट की अगली चार पारियों में सिर्फ 26 रन बना पाए हैं। हालांकि, कोहली के बल्ले से संघर्ष के बावजूद, मैदान के बाहर उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है, एमसीजी का एक त्वरित दौरा यह तथ्य समझा देगा। ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के टिकट काउंटर पर कोहली की तस्वीरें मिलेंगी। फिर 2018-19 श्रृंखला में पहली बार इन तटों पर श्रृंखला जीत हासिल करने के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को चूमने की उनकी तस्वीरें हैं, इसके अलावा एमसीजी में तीसरे टेस्ट के बाद टीम के जश्न की एक तस्वीर है, जिस पर कैप्शन है कोहली के विजेता।

एमसीजी टूर गाइड डेविड को स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह में से कोई एक पसंद हो सकता है, लेकिन आगामी बॉक्सिंग डे टेस्ट को ब्लॉकबस्टर बताते हुए अपनी बातचीत में बार-बार कोहली का जिक्र करते हैं। उन्होंने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टेस्ट है और भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच से ज्यादा रोमांचक क्या हो सकता है। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने कहा, पर्थ में पहले टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली, जिसकी उन्हें और भारतीय टीम को बहुत ज़रूरत थी। वह यहाँ बहुत लोकप्रिय हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि उनका बल्ला यहाँ खामोश रहेगा।

लेकिन फिर भी वह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान करने वाले बुमराह के बारे में बात करना बंद नहीं कर सकते। बुमराह मेरे पसंदीदा हैं, जिन्होंने 2018 में स्ष्टत्न में नौ विकेट लिए थे और भारत को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतने में मदद की थी। इस सीरीज़ में भी, उन्होंने पर्थ में शानदार गेंदबाज़ी के साथ-साथ बेहतरीन कप्तानी भी की। डेविड ने कहा, उनके फ़ॉर्म को देखते हुए, वे भारत के लिए एक तुरुप का इक्का साबित होंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि वे यहाँ फिर से एक पारी में पाँच विकेट नहीं लेंगे। तो, क्या कोहली और भारत यहां एक और शानदार अध्याय जोड़ सकते हैं?

रोहित को अपनी रणनीति बदलनी चाहिए: रवि शास्त्री

मेलबोर्न (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कहा कि रोहित जैसे स्टाइलिश बल्लेबाज को स्पष्ट मानसिकता के साथ उतरना चाहिए, अपनी रणनीति बदलनी चाहिए और गेंदबाजों पर हमला करना चाहिए। आईसीसी रिव्यू पर शास्त्री ने कहा, मैं रोहित शर्मा को देखना चाहूंगा, उनकी रणनीति में थोड़ा बदलाव होना चाहिए क्योंकि वह अभी भी उस नंबर (छह) पर बेहद खतरनाक हो सकते हैं। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें अपनी मानसिकता में बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि वे मैदान पर उतरें और विपक्षी टीम पर आक्रमण करें और किसी और चीज की चिंता न करें। शास्त्री का मानना है कि रोहित को रक्षात्मक मानसिकता से दूर रहना चाहिए। आखिरी चीज जो आप चाहते हैं वह यह है कि वह इस बात को लेकर दो विचारों में न रहे कि बचाव करना है या आक्रमण करना है। उनके मामले में, आक्रमण होना चाहिए। वह तेजी से लंबाई पकड़ लेते हैं, उन्हें उस नंबर पर विपक्षी टीम पर हावी होना चाहिए। क्योंकि अगर वह पहले 10-15 मिनट में बच निकलते हैं, तो किसी भी तरह से, वह 15-20 मिनट, आधे घंटे से आगे नहीं बढ़ पाते हैं। तो आप स्वाभाविक खेल क्यों नहीं खेलते, जाकर विपक्षी टीम पर आक्रमण करते हैं और फिर आगे बढ़ते हैं? शास्त्री ने महसूस किया कि रोहित के लिए फॉर्म में वापस आने और भारत के लिए मैच जीतने का यह सबसे अच्छा तरीका है, उन्होंने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नंबर 6 बल्लेबाज वे हैं ।

मैकस्वीनी के करियर की शुरुआत मुश्किल रही: वॉन

मेलबर्न(एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने स्टार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ संघर्ष करने वाले नाथन मैकस्वीनी के प्रति सहानुभूति व्यक्त की, जिसके कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया।

भविष्य में मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में वापसी कर सकते हैं। वॉन ने फॉक्स स्पोर्ट्स से कहा, मैं मैकस्वीनी को देखता हूं और मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई खिलाड़ी है जिसके करियर की शुरुआत इससे कठिन रही हो। मुझे इस बच्चे के लिए दुख है, क्योंकि पिछले 10 वर्षों में मैंने जितने भी लोगों को टेस्ट क्रिकेट में आते देखा है, मुझे नहीं लगता कि किसी को भी इससे कठिन चुनौती दी गई है। 25 वर्षीय मैकस्वीनी, जिन्होंने पर्थ में सीरीज के पहले मैच में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, शीर्ष पर संघर्ष करते हुए अपनी छह पारियों में 10, 0, 39, 10 नाबाद, 9 और 4 रन बनाए। उन्होंने कहा, बुमराह को अब जिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, उनमें उनका सामना करना, अपने दूसरे मैच में रोशनी के नीचे गुलाबी गेंद, पर्थ में हर तरह की परेशानी और ब्रिस्बेन में गेंद इधर-उधर घूम रही थी। अपने संघर्षों के बावजूद, वॉन को उम्मीद थी कि मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में मैकस्वीनी खेलेंगे। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि यह अनदेखी मैकस्वीनी के लिए एक वरदान साबित हो सकती है, जो स्वाभाविक रूप से सलामी बल्लेबाज नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि लंबे समय में यह मैकस्वीनी के लिए बुरी बात होगी।

राम चरण की दोहरी भूमिका...

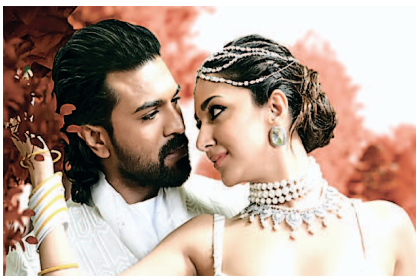

मेगा पावरस्टार राम चरण की फिल्म गेम चेंजर की चर्चा है। फिल्म के तीन गाने चार्टबस्टर साबित हुए हैं। एल्बम में नवीनतम जोड़ धोप नामक एक नया सिंगल है। धोप को हाल के दिनों में थमन के बेहतरीन कामों में से एक माना जाता है, जिसमें एक अनूठी रचना है। जो पिछले सिंगल्स की तुलना में एक ताज़ा वाइब देते हैं। चौथा सिंगल, धोप थमन, रोशिनी जेकेवी और पृथ्वी श्रुति रंजनी द्वारा गाया गया है। गीत सरस्वती पुत्र राम जोगय्या शास्त्री द्वारा लिखे गए थे। तमिल संस्करण विवेक द्वारा लिखा गया था और थमन एस, अदिति शंकर और पृथ्वी श्रुति रंजनी द्वारा गाया गया था। रकीब आलम ने हिंदी संस्करण के लिए गीत लिखे जबकि थमन एस, राजा कुमारी और पृथ्वी श्रुति रंजनी ने अपनी आवाज़ दी। गेम चेंजर में राम चरण दोहरी भूमिका में हैं और इसमें कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। संगीत कार्यक्रम नाटक, नृत्य और संगीत का एक आदर्श मिश्रण था। प्रेरणादायक बात यह है कि नेहा ने खुद एक बहुत ही कठिन वर्ष से गुजरने के बाद मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में भी बात की। हमेशा की तरह, वह अपने संघर्षों के बारे में साहसी और स्पष्ट रही हैं और इसलिए, न केवल अपने संगीत के साथ, वह मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने की दिशा में अपने विचारों और प्रभावशाली भावों से अपने दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहीं।

सत्य की खोज जान ले सकती है...

मनोज बाजपेयी की फिल्म डिस्पैच में उन्हें एक जांचकर्ता पत्रकार के किरदार में दिखाया गया है। फिल्म अपराध जाँच पत्रकारिता में एक बड़ी ब्रेकिंग स्टोरी ढूंढ रहे जोय बाग की ज़िन्दगी के बारे में है। फिल्म ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर पहले हफ्ते में 200 मिलियन से ज्यादा वॉच मिनट्स का रिकॉर्ड भी बना लिया है! कानू बहल द्वारा निर्देशित डिस्पैच जोय बाग की कहानी है, मनोज बाजपेयी जो 2त्न स्पेक्ट्रम घोटाले की खतरनाक जांच करता है। शक्तिशाली व्यक्तियों से जुड़े भ्रष्टाचार के जाल को उजागर करता है, तो समझ आता है कि सत्य की खोज उसकी जान ले सकती है। वह एक ब्रेकिंग स्टोरी पाने के लिए संघर्ष करता है, वहीं उसकी निजी ज़िन्दगी में एक बड़ा तूफान आ जाता है क्योंकि उसका विवाह टूटने के कगार पर होता है। डिस्पैच सिर्फ एक अपराध पत्रकार की कहानी नहीं है; यह संकट के समय में मानव मस्तिष्क की गहरी पड़ताल है। मनोज बाजपेयी ने खुलकर बात की, कि पत्रकार किस प्रकार आंतरिक संघर्षों का सामना करते हैं: लालच, डर, बुनियादी जरूरतें, परिवार- इस तरह के पत्रकार को किस तरह के संघर्षों का सामना करना पड़ता है।

कुलीनों के कुनबे में 'अनुशासनहीनता'

कभी पार्टी, कभी सरकार पर आरोप तो कभी आपसी विवाद बना चर्चा में

इंदौर। मप्र में कुलीनों कुनबे में ऊपरी तौर पर भले ही सबकुछ सामान्य नजर आ रहा है, लेकिन पार्टी में आंतरिक घमासान मचा हुआ है। कई भाजपा विधायकों ने खुलेआम अपनी नाराजगी जताई है। विधानसभा में सवालों, बयानों और सोशल मीडिया पर दिखाई गई नाराजगी की वजह से सत्तारूढ़ दल के भीतर बढ़ता तनाव बाहर आ गया है। यह स्थिति तब है जब सता और संगठन का पूरा फोकस अनुशासन पर है।

गौरतलब है कि मप्र की मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष हाल ही में पूरा किया और सरकार इसका जश्न जनकल्याण पर्व के रूप में जोर-शोर के साथ मना रही है, वहीं दूसरी तरफ सवालों के उठते स्वर संगठन की नींद उड़ाए हुए हैं।

इन विवादों की जड़ में जाएं तो स्थानीय स्तर पर वर्चस्व से लेकर सत्ता में भागीदारी न होने की वजह भी सामने आ रही है। अपनी ही सरकार के विरुद्ध बयानों ने भाजपा संगठन के अनुशासन के दावों पर भी सवाल खड़ा कर दिया है।

सार्वजनिक बयानबाजी थम नहीं रही

मप्र में भाजपा के भीतरखाने सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मोहन यादव सरकार भले ही अपना एक साल पूरा होने का जश्न मनाने में जुटी हो, लेकिन पार्टी के विधायक उसी सरकार को आंखें दिखा रहे हैं। मप्र में बीते कई महीनों से भाजपा के विधायकों की सार्वजनिक बयानबाजी थम नहीं रही है।

विधायक अपनी ही सरकार और संगठन के अलावा प्रशासन की कार्यप्रणाली को भी घेर रहे हैं। उनका व्यवहार विपक्ष की भूमिका जैसा दिखाई पडना संगठन के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा हैं। किसी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई न होने से भी ऐसे मामलों में कमी होती नहीं दिख रही है। विधायकों के पार्टी लाइन से बाहर जाकर बयानबाजी करने से अनुशासन को गहरा धक्का लगा है।

विंध्य क्षेत्र में विधायक प्रदीप पटेल ने संगठन को चुनौती दी हुई है। संगठन के बुलाने पर भी वह पार्टी कार्यालय नहीं आए और न ही उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियां कम हुई। पटेल आरोप लगा चुके हैं कि पुलिस नशीली दवाओं और गांजे का व्यापार कर रही है। वह रीवा के आईजी आफिस और मऊगंज के एडिशनल एसपी आफिस में साष्टांग दंडवत लेटकर तत्काल कार्रवाई की मांग कर भी चर्चा में आ चुके हैं। अब बुंदेलखंड में भी भाजपा विधायकों के आपसी वर्चस्व की लड़ाई ने पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

मंत्री-पूर्व मंत्री के बीच शीतयुद्ध

सागर जिले के दो कद्दावर नेताओं के बीच पिछले कुछ महीने से लगातार शीतयुद्ध चल रहा है। पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह और मोहन सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के बीच विवाद सतह पर आ गया है।

दोनों नेता पार्टी फोरम से बाहर जाकर खुलकर एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं। इससे पहले भूपेंद्र सिंह कांग्रेस से भाजपा में शामिल नेताओं पर भी निशाना साध चुके है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं के उत्पीडन का सवाल उठाते हुए पार्टी को याद दिलाया कि जब कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सागर में कार्यकर्ताओं का दमन हो रहा था, तब उन्होंने कैसे कार्यकर्ताओं के साथ डटकर कांग्रेस का मुकाबला किया था। उनका तर्क है कि ऐसे नेताओं के भाजपा में आने से कार्यकर्ता नाराज हुए हैं। वह कार्यकर्ताओं के साथ खड़े हैं। भूपेंद्र सिंह और गोविंद सिंह राजपूत के बीच विवाद या नाराजगी की मुख्य वजह कैबिनेट में जगह न पाना है।

लंबे समय तक मंत्री रहे सागर जिले के भूपेंद्र सिंह और गोपाल भार्गव को मोहन कैबिनेट में जगह नहीं मिल पाई। वहीं, कांग्रेस से आए गोविंद सिंह राजपूत इन दिनों बुंदेलखंड में भाजपा के सबसे बड़े नेता बने हुए हैं। इस कारण सत्ता का शक्ति केंद्र उन तक सिमट गया है, जो विवाद का बड़ा कारण है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भी इन मामलों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई हस्तक्षेप करने से कतरा रहे है।

माना जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व की मंशा के अनुसार वह केवल सरकार चलाने पर फोकस कर रहे हैं। मोहन यादव संगठन में दखल देना भी आवश्यक नहीं समझ रहे हैं। हालात ये हैं कि दोनों नेता पार्टी फोरम से बाहर निकलकर अब सार्वजनिक मंचों से एक-दूसरे पर बयानबाजी कर रहे हैं। खुद मुख्यमंत्री मोहन यादव भी दोनों के बीच कुछ बोलने से कतरा रहे हैं। भूपेंद्र का कहना है कि कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नेताओं को तवज्जो मिलने से पार्टी कार्यकर्ता ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और वह इस मौके पर कार्यकर्ताओं के साथ खड़े हैं। वहीं गोविंद राजपूत ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या भूपेंद्र सिंह संगठन से बड़े हो गए हैं।

सीधे मोर्चा ना खोलें

गौरतलब है कि सत्ता और संगठन दोनों ने अपने विधायकों और नेताओं को ताकीद किया है कि जो भी कहना है पार्टी फोरम पर कहें। लेकिन इसका असर किसी पर पड़ता नहीं दिख रहा है। अपनी ही पार्टी के खिलाफ मुखर हो रहे विधायकों को विगत माह भाजपा ने भोपाल तलब किया था।

इसके बाद तीन भाजपा विधायकों को पार्टी ने नसीहत दी है। विधायक प्रदीप लारिया, प्रदीप पटेल और बृज बिहारी पटेरिया ने हाल ही में अपनी ही सरकार के खिलाफ आवाज उठाई थी, जिसके बाद भाजपा ने ये कदम उठाया है। सूत्रों के मुताबिक विधायकों से कहा गया है कि वो सरकार के खिलाफ खुलेआम बयानबाजी न करें। पार्टी में बढ़ रही इस फूट का हल न को प्रदेश संगठन के पास है और न ही भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के पास। यही वजह है कि अब वर्चस्व की लड़ाई में दुर्गति पार्टी की हो रही है। इस लड़ाई ने संगठन के अनुशासन के दावों पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है।

'टैक्स' से मप्र सरकार को हो रही भरपूर कमाई

पेट्रोल-डीजल और शराब ने संभाली अर्थव्यवस्था

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में भले ही पिछले पांच वर्षों के दौरान बड़ी गिरावट देखने को मिली हो, लेकिन आम लोगों को महंगे पेट्रोल-डीजल के दामों से कोई राहत नहीं मिली है। लेकिन इन पांच वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारों ने पेट्रोल डीजल पर टैक्स लगाकर अपना खजाना जरूर भर लिया है। मप्र सरकार की शुरुआती छह महीने (अप्रैल से सितंबर) में पिछले पांच सालों की तुलना में कमाई अच्छी हुई है।

पेट्रोल-डीजल और शराब ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बड़ा संबल दिया है। पेट्रोल-डीजल पर वैट और शराब बिक्री पर एक्साइज ड्यूटी से पिछले साल की तुलना में 1802 करोड़ रुपए ज्यादा मिले हैं, इन ज्यादा प्राप्तियों से लाड़ली बहना योजना का डेढ़ महीने का भुगतान हो सकेगा। केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदार से भी प्रदेश को छह महीने पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा मिले हैं, लेकिन केंद्र से मिलने वाले अनुदान में 4 हजार करोड़ की कमी आई है। इससे यह बढ़त 3 हजार करोड़ ज्यादा तो है, लेकिन कर्मचारियों के बढ़े हुए डीए पर आया खर्चा इसमें सेंध लगा रहा है।

एसजीएसटी से 17023 करोड़ मिल

राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) के वर्ष 2024-25 में पहले छह महीने में 17023 करोड़ मिले हैं जो इसी अवधि में पिछले साल 19481 करोड़ मिले थे। यह कमी 12.61 प्रतिशत है। फरवरी में आने वाले बजट में यह कमी बनी रहेगी। इसकी वजह वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था के तहत अंतर्गत राज्यो के करों में कमी आने की जो व्यवस्था केंद्र ने थी वह जून 2022 तक ही थी। इसलिए यह कमी बनी रहेगी। इस कमाई से होगा लाड़ली बहना योजना का डेढ़ महीने का भुगतान। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अप्रैल से सितंबर के बीच सरकार की आमदनी का खांका इस तरह रहा है। इसमें उल्लेखनीय राज्य सरकार के करों में उसे पिछले साल से 6 हजार करोड़ रुपए ज्यादा मिल रहे हैं, यह वृद्धि भी 8.14 प्रतिशत है, लेकिन कुल राजस्व प्राप्तियां इस साल 1 लाख 6 हजार करोड़ रुपए थी जो पिछले साल 1 लाख 3 हजार करोड़ रुपए थी. इसलिए यह वृद्धि 2.24 प्रतिशत ही है। इसमें केंद्र से प्राप्त केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी और केंद्र से सहायता प्राप्त अनुदान का हिस्सा 80 प्रतिशत तक है।

शराब नहीं, ईंधन से बढ़ा राजस्व

राज्य में शराब की खपत हर साल 21 प्रतिशत सालाना बढ़ रही है, लेकिन उससे राजस्व की सालाना वृद्धि 19.54 प्रतिशत ही रही। इसकी तुलना में पेट्रोल-डीजल की बिक्री में बढ़ोतरी 7 प्रतिशत से भी कम रही, लेकिन इससे खजाने में हर साल 34 प्रतिशत ज्यादा पैसा आ रहा है। सरकार के अपने आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं। खास बात यह है कि सरकार को पेट्रोल-डीजल की टैक्स वसूली के लिए अपना अमला नहीं लगाना पड़ता। तेल कंपनियां खुद ही यह टैक्स एकत्र करके सरकार के खजाने में जमा करा देती हैं। लेकिन शराब समेत दूसरे मदों में राजस्व उगाही का जिम्मा सरकार के विभागों का होता है। जानकार कहते हैं कि सरकार अपने अमले के जरिए शराब समेत दूसरे मदों में आय नहीं बढ़ा पा रही है। इसका खामियाजा आम आदमी को पेट्रोल-डीजल के बढ़े दाम देकर चुकाना पड़ रहा है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com